



कर्नाटक सरकार

हिंदी वल्लरी

तृतीय भाषा हिंदी
Hindi Third Language
PART - 2



आठवीं कक्षा
Eighth Standard

Karnataka Text Book Society (R.)

6th Cross, Malleshwaram,
Bengaluru - 560 003.

अनुक्रमणिका



क्र.सं.	शीर्षक	विधा	पृ.सं
10.	अभिनव गीत	कविता	1-5
11.	वृक्षप्रेमी तिम्वक्का	जीवनी	6-13
12.	हरा घोड़ा	कहानी	14-22
13.	चुंबक है धरती हमारी	कविता	23-25
14.	जीवनधात्री-वर्षा	कहानी	26-34
15.	भारतीय त्योहार	निबंध	35-44
16.	संतुलित आहार	संवाद	45-52
17.	कबीर के दोहे	दोहा	53-62

पाठ - 10

अभिनव गीत

हरिशंकर कश्यप -

इस कविता के द्वारा बच्चे जीने की कला सीख सकते हैं।
कष्ट के समय में भी हँसते रहने और सबको सुख देते रहने
की कला का परिचय दिलाना इस कविता का उद्देश्य है।



फूल सदा हँसते रहते हैं।
खिल-खिल कर झरते रहते हैं।

रंग-बिरंगी मोहक छवि से,
अपने अन्तर की सुगन्ध से,
तन से, मन से, निज जीवन से,
सब जग को सुरभित करते हैं।
फूल सदा हँसते रहते हैं॥

रहो सदा सबसे हिल-मिल कर,
कष्ट सहो जीवन में हँस कर,
जियो सदा सबको सुख देकर,
फूल यही हमसे कहते हैं।
फूल सदा हँसते रहते हैं॥



कवि परिचय :

श्री हरिशंकर कश्यप हिंदी के प्रसिद्ध बाल साहित्यकार हैं। आपने बच्चों के लिए अत्यंत रोचक, मनोरंजक व ज्ञानवर्धक एकांकी, कविताएँ, कहानियाँ तथा जीवनियाँ लिखी हैं। आपकी कुछ प्रसिद्ध पुस्तकें हैं - फुलवारी, झरना, मेरे देश के महान बालक, मेरे देश के मंदिर, मेरे देश की महान नारियाँ, मेरे देश के ऋषि-मुनि, मेरे देश के संत-महात्मा, देश की आन पर, पूजा के फूल। आपकी रचनाओं के मूल तत्व राष्ट्रभक्ति, भारतीय धर्म और संस्कृति हैं।

शब्दार्थ :

अभिनव - नूतन, नया ; फूल - पुष्प, छवि - शोभा, अन्तर - भीतर, तन - शरीर, निज - अपना, जग - संसार, झरना - गिरना, सुरभित - सुगंधित।

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. फूल सदा कैसे रहते हैं?
2. फूल किस तरह झरते रहते हैं?
3. फूल की छवि कैसी होती है?

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. फूल सब जग को किस रीति से सुरभित करते हैं?
2. फूल सदा हमसे क्या कहते हैं?
3. जीवन में कष्ट कैसे सहना चाहिए?

III. नमूने के अनुसार कविता की पंक्तियों को गद्य में रूपांतरित कीजिए :

नमूना : रहो सदा सबसे हिल-मिल कर
सदा सबसे हिल-मिल कर रहो।

1. कष्ट सहो जीवन में हँस कर,
_____।
2. जियो सदा सबको सुख देकर,
_____।

IV. पद्यभाग पूर्ण कीजिए :

फूल सदा _____

_____ सुरभित करते हैं।

V. नीचे लिखी पंक्तियों का भाव अपने शब्दों में लिखिए :

कष्ट सहो जीवन में हँस कर,
जियो सदा सबको सुख देकर,
फूल यही हमसे कहते हैं।
फूल सदा हँसते रहते हैं।

VI. कविता के आधार पर निम्नलिखित तालिका भरिए :

	कीजिए	मत कीजिए
नमूना:	सदा हँसते रहो।	कभी उदास मत रहो।
1.		
2.		
3.		

VII. उदाहरण के अनुसार शब्दों को मिलाइए :

- | | |
|--------------|-------|
| 1. गुलाब | तेल |
| 2. सूर्यमुखी | कीचड़ |
| 3. चमेली | काँटा |
| 4. कमल | सुगंध |

VIII. मिलती-जुलती ध्वनिवाले शब्द लिखिए :

- उदा : हँसते झरते डरते पढ़ते
- | | | | |
|---------|-------|-------|-------|
| 1. तन | _____ | _____ | _____ |
| 2. हिल | _____ | _____ | _____ |
| 3. कहते | _____ | _____ | _____ |
| 4. कष्ट | _____ | _____ | _____ |

IX. पढ़िए और सही वाक्यों के सामने (✓) लगाइए :

- | | |
|-----------------------------|--------|
| 1. फूल सदा उदास रहते हैं। | () |
| फूल सदा खुशी से रहते हैं। | () |
| फूल सदा चिंता में रहते हैं। | () |

2. हमेशा सबसे हिल-मिल कर रहो। ()
हमेशा सबसे झगड़ा करके रहो। ()
हमेशा सबसे भेद-भाव करके रहो। ()
3. सबको सदा दुख देकर जियो। ()
सबको सदा पैसा देकर जियो। ()
सबको सदा सुख देकर जियो। ()

X. सही शब्दों से वाक्य पूरा कीजिए :

(हिल-मिल, सुख, हँसते)

1. फूल सदा _____ रहते हैं।
2. रहो सदा सबसे _____ कर।
3. सदा सबको _____ देकर जीना।

XI. सोचकर लिखिए :

- हम फूलों का उपयोग कैसे करते हैं ?
- किन्हीं दस फूलों के नाम और रंग लिखिए।
- आपको कौन-सा फूल पसंद है और क्यों ?
- कागज से तरह-तरह के फूल बनाकर उसमें रंग भरिए।
- देखे हुए किसी 'फूल-प्रदर्शन' का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

अध्यापन संकेत :

- दूसरे राज्यों में उगनेवाले विभिन्न फूलों की जानकारी छात्रों को दें।



वृक्षप्रेमी तिम्वका



संकलित -

इस पाठ में 'सालुमरदा तिम्वका' के अमूल्य पर्यावरण-प्रेम का परिचय दिया गया है, जिससे बच्चे पर्यावरण की रक्षा करने में अपना निष्ठापूर्ण सहयोग दे सकते हैं।

सालुमरदा तिम्वका का नाम आज कर्नाटक के कोने-कोने में व्याप्त है। कर्नाटक सरकार ने उन्हें इतने सारे पुरस्कारों से सम्मानित किया है कि समाज-सेवा के क्षेत्र में यह महिला एक मिसाल बन गयी है। इस आदर्श महिला के जीवन के बारे में हम कितना जानते हैं ! आइए, ग्रामीण प्रदेश के गरीब परिवार में जन्म लेनेवाली एक अनपढ़ महिला के उदात्त व्यक्तित्व एवं कार्य का परिचय पावें -

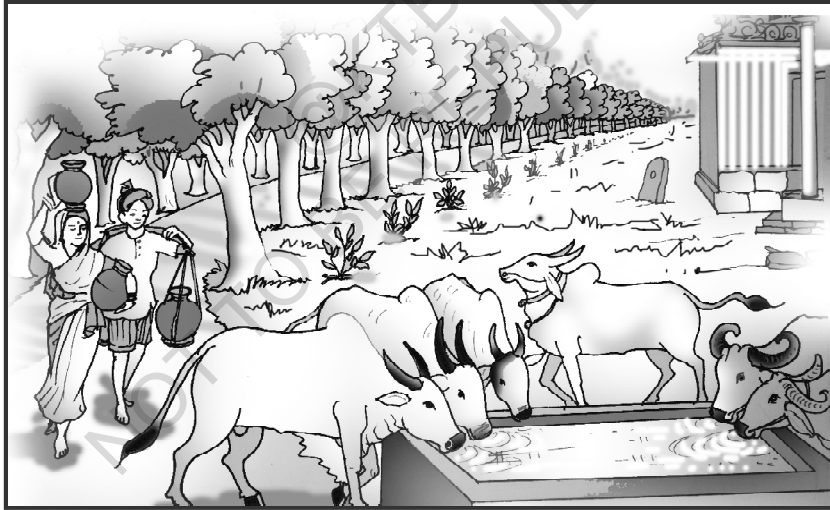


तिम्वका का जन्म तुमकूर जिला, गुब्बी तालुका में एक छोटे से गाँव कक्केनहल्ली में हुआ। उनके पिता चिक्करंगय्या और माता विजयम्मा थे। तिम्वका इनकी छः संतानों में से एक थीं। तिम्वका के माँ-बाप मेहनत-मज़दूरी करते हुए अपना पेट पालते थे।

तिम्वका के पति का नाम बिककला चिक्कय्या था। वे भी अनपढ़ थे। रोज़ दूसरों के खेत में पसीना बहाकर काम किया करते थे। इस दंपति को एक-एक कौर के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती थी। कमाई भी बहुत कम थी। यदि एक दिन मज़दूरी नहीं करते तो उन्हें भूखे रहना पड़ता था।

तिम्मक्का निस्संतान थीं। पति-पत्नी बच्चों के लिए तरस जाते थे। अंत में उन्होंने एक बच्चे को गोद लिया। दत्तक पुत्र के सगे माँ-बाप को लोगों की कटु निंदा सुननी पड़ी। उन्होंने अपने बेटे को वापस ले लिया। अपना दत्तक पुत्र खोकर तिम्मक्का बहुत दुःखी हुई। लेकिन सन् 2005 में उन्होंने बल्लूरू के उमेश बी.एन. को पुत्र के रूप में अपनाया जो अब उनकी देखभाल कर रहे हैं।

तिम्मक्का और चिक्कय्या दोनों ने निश्चय किया कि अपने आप को किसी धर्म-कार्य में लगा लें। उनके गाँव के पास ही श्रीरंगस्वामी का मंदिर था, जहाँ हर साल मेला लगता था। वहाँ आनेवाले जानवरों के लिए पीने के पानी का इंतज़ाम किया।



तिम्मक्का ने रास्ते के दोनों ओर पेड़ लगाने, सींचने, बढ़ाने की बात सोची। यह काम आसान नहीं था। फिर भी उन्होंने हुलिकल और कुदूर के बीच के चार कि.मी. के रास्ते के दोनों ओर बरगद के डाल लगाये। उन पेड़ोंको भेड़-बकरियों से रक्षा करने की व्यवस्था की।

पहले साल दस, दूसरे साल पंद्रह और तीसरे साल में नब्बे पेड़ लगाये। उन्हें अपने बच्चों की तरह प्रेम से पाला-पोसा। यह काम निरंतर दस सालों तक चलता रहा। पेड़ राहगीरों को छाया देने के साथ-साथ, पक्षियों के आश्रयधाम भी बन गए।

तिम्मक्का के जीवन में मुसीबत की घड़ियाँ शुरू हुईं। तिम्मक्का के पति की तबीयत खराब हुई। बुरी हालत में चिक्कय्या चल बसे। तिम्मक्का अब अकेली पड़ गयीं। फिर भी हिम्मत न हारी और अपने कार्य में तल्लीन रहीं।

तिम्मक्का ने अब तक 8000 से अधिक पेड़ लगाये हैं। अब हमारी कर्नाटक सरकार ने उन पेड़ों की रक्षा करने का बीड़ा उठाया है। तिम्मक्का को उनकी निष्ठा, त्याग तथा सेवा के लिए नाडोज पुरस्कार, राष्ट्रीय नागरिक पुरस्कार, इंदिरा प्रियदर्शिनी वृक्ष मित्र, वीर चक्र, कर्नाटक कल्पवल्ली, गाड़ फ्री फिलिप्स धैर्य पुरस्कार, विशालाक्षी पुरस्कार, डॉ.कारंत पुरस्कार, कर्नाटक सरकार के महिला और शिशु कल्याण विभाग के द्वारा सम्मान पत्र आदि अनेकानेक पुरस्कारों से अलंकृत किया गया है। तिम्मक्का जी सन् 2012 में संपन्न प्रथम राष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन की अध्यक्ष रहीं।

पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ तिम्मक्का अन्य सामाजिक कार्य भी कर रही हैं। अपने पति की याद में उन्होंने हुलिकल ग्राम में गरीबों की निःशुल्क चिकित्सा के लिए एक अस्पताल के निर्माण कराने का संकल्प किया है। जो भी धनराशि पुरस्कार के रूप में तिम्मक्का को मिली है, उसे वह सामाजिक कार्य तथा दीन-दुखियों की सेवा के लिए अर्पित कर रही हैं।

अपने जीवन में दर्द और तकलीफ उठाने के बावजूद सार्थक कार्य करनेवाली तिममक्का का व्यक्तित्व सबके लिए आदर्श है। सरकारी संसाधनों के अभाव में भी कोई एक व्यक्ति केवल अपनी निष्ठा व श्रद्धा की बदौलत किस तरह सामाजिक कार्य के लिए स्वयं को समर्पित कर सकता है, इसके लिए एक अत्युत्तम निदर्शन हैं तिममक्का।

टिप्पणी :

सालुमरदा तिममक्का : तिममक्का ने अपने जीवन काल में बहुत सारे पेड़ लगाकर उनकी देख-रेख की है। कतारों में शोभायमान बरगद के पेड़ लगाने के कारण वे सालुमरदा तिममक्का नाम से जानी जाती हैं।



शब्दार्थ :

मिसाल-उदाहरण, कौर-निवाला, मेहनत-परिश्रम, इंतज़ाम-प्रबंध, व्यवस्था; तरसना-तड़पना, बेचैन रहना; राहगीर-पथिक, यात्री; मुसीबत-विपत्ति, तबीयत-स्वास्थ्य, तकलीफ-कष्ट, बदौलत-द्वारा, कृपा से।

मुहावरों का अर्थ :

पसीना बहाना = परिश्रम करना

हिम्मत न हारना = धीरज रखना

बीड़ा उठाना = जिम्मेदारी लेना

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. गुब्बी तालुका (तहसील) किस जिले में स्थित है?
2. तिम्मक्का के माँ-बाप अपना पेट कैसे पालते थे?
3. चिक्कय्या क्या काम करते थे?
4. एक दिन चिक्कय्या और तिम्मक्का ने मज़दूरी नहीं की तो परिणाम क्या होता था?
5. जानवरों के लिए तिम्मक्का दंपति ने क्या इंतज़ाम किया?
6. तिम्मक्का दंपति ने बरगद के डाल कहाँ लगाये?
7. पर्यावरण संरक्षण के साथ तिम्मक्का और कौन-सा काम कर रही हैं?
8. तिम्मक्का दीन-दुखियों की सेवा के लिए क्या समर्पित कर रही हैं?

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. तिम्मक्का दंपति किस प्रकार के धर्म-कार्य में लग गये ?
2. तिम्मक्का ने बरगद के डालों को कैसे पाला-पोसा ?
3. तिम्मक्का के जीवन में कैसी मुसीबत आ गई?
4. तिम्मक्का ने क्या संकल्प किया है?

III. रिक्त स्थान भरिए :

1. तिम्मक्का का जन्म _____ गाँव में हुआ था।
2. तिम्मक्का के माँ-बाप _____ करते हुए अपना पेट पालते थे।

3. तिम्मक्का के पति का नाम _____ था।
4. उनके गाँव के पास _____ का मंदिर था।
5. तिम्मक्का ने पेड़ों को _____ से रक्षा करने की व्यवस्था की ।

IV. वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1. मिसाल _____ -
2. मेहनत-मज़दूरी _____ -
3. पसीना बहाना _____ -
4. धर्म-कार्य _____ -
5. तबीयत _____ -
6. मुसीबत _____ -

V. कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए :

1. अपना दत्तक पुत्र खोकर तिम्मक्का बहुत दुःखी हुई।
2. उन्हें अपने बच्चों की तरह प्रेम से पाला-पोसा।
3. तिम्मक्का के जीवन में मुसीबत की घड़ियाँ शुरू हुई।
4. तिम्मक्का ने अब तक 300 से भी अधिक पेड़ लगाये हैं।
5. पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ तिम्मक्का सामाजिक कार्य भी कर रही हैं ।

VI. पर्यायवाची शब्द लिखिए :

1. हिम्मत _____
2. पानी _____

- | | | |
|----------|-------|-------|
| 3. पेड़ | _____ | _____ |
| 4. पक्षी | _____ | _____ |
| 5. महिला | _____ | _____ |
| 6. तबीयत | _____ | _____ |

VII. विलोम शब्द लिखिए :

1. जन्म ×
2. आसान ×
3. गरीब ×
4. अपना ×
5. छोटे ×

VIII. सार्थक वाक्य बनाइए :

1. चिक्करंगय्या पिता विजयम्मा माता थे उनके और ।
2. एक थीं तिम्मक्का से में छः संतानों इनकी ।
3. मुसीबत की घड़ियाँ जीवन में तिम्मक्का के शुरू हुई ।

IX. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए :

- | | | |
|-------------------------|---|-------|
| 1. जो पति-पत्नी हो | - | _____ |
| 2. जिसकी कोई संतान न हो | - | _____ |
| 3. राह पर चलनेवाला | - | _____ |
| 4. जो पढ़ा-लिखा न हो | - | _____ |

X. जोड़कर लिखिए :

- | | | |
|---------------------|---|--|
| 1. फूला न समाना | - | निश्चित रहना |
| 2. घोड़े बेचकर सोना | - | वश में रखना |
| 3. उँगली पर नचाना | - | होश आना |
| 4. आँखें खुलना | - | नष्ट करना |
| 5. आग बबूला होना | - | अत्यंत प्रसन्न होना
अत्यंत क्रोधित होना |

XI. तिममक्का के जीवन के घटना-क्रमानुसार वाक्य लिखिए :

1. जानवरों के लिए उन्होंने पीने के पानी का इंतज़ाम किया।
2. तिममक्का के जीवन में मुसीबत की घड़ियाँ शुरू हुईं ।
3. तिममक्का के पति का नाम बिक्कला चिक्कय्या था।
4. पेड़ों को भेड़-बकरियों से रक्षा करने की व्यवस्था की।
5. पर्यावरण-संरक्षण के साथ-साथ तिममक्का अन्य सामाजिक कार्य भी कर रही हैं।

XII. रेखांकित कारकों का नाम लिखिए :

1. तिममक्का का नाम आज कर्नाटक के कोने-कोने में व्याप्त है।
2. वे दूसरों के खेत में पसीना बहाकर, काम किया करते थे।
3. दत्तक पुत्र के सगे माँ-बाप को निंदा सुननी पड़ी ।
4. गाँव के पास ही श्रीरंगस्वामी का मंदिर था।

अध्यापन संकेत :

- पेड़-पौधों की रक्षा करनेवाले अन्य पर्यावरण प्रेमियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए छात्रों को प्रेरणा दें।



पाठ - 12

हरा घोड़ा

संकलित -



बच्चे बीरबल की चतुराई का परिचय प्राप्त करते हैं।

एक दिन बादशाह अकबर घोड़े पर शाही बाग में घूमने गये। उनके साथ मंत्री बीरबल थे। चारों ओर हरे-भरे वृक्ष और हरी-हरी घास देखकर अकबर बहुत खुश हुए। उन्हें लगा कि बगीचे में सैर करने के लिए घोड़ा भी हरे रंग का ही होना चाहिए।



उन्होंने बीरबल से कहा - “बीरबल, मुझे हरे रंग का घोड़ा चाहिए। तुम मुझे सात दिन में हरे रंग का घोड़ा ला दो। यदि तुम हरे रंग का घोड़ा न ला सके तो हमें अपनी शक्ल मत दिखाओ।” अकबर और बीरबल दोनों को यह मालूम था कि हरे रंग का घोड़ा तो होता ही नहीं है, लेकिन अकबर को बीरबल की परीक्षा लेनी थी।



दरअसल इस प्रकार के अटपटे सवाल करके वे चाहते थे कि बीरबल अपनी हार स्वीकार कर लें और कहें - “जहाँपनाह ! मैं हार गया।” मगर बीरबल भी अपने जैसे एक ही थे। बीरबल हर सवाल का सटीक उत्तर देते थे कि बादशाह अकबर को मुँह की खानी पड़ती थी।



बीरबल हरे रंग के घोड़े की खोज के बहाने सात दिन तक इधर-उधर घूमते रहे। आठवें दिन वे दरबार में हाज़िर हुए और बादशाह से बोले - “जहाँपनाह ! मुझे हरे रंग का घोड़ा मिल गया है।” बादशाह को

आश्चर्य हुआ , उन्होंने कहा - “जल्दी बताओ कहाँ है हरा घोड़ा?”
बीरबल ने कहा - “जहाँपनाह ! घोड़ा तो आपको मिल जाएगा, मैंने बड़ी मुश्किल से उसे खोजा है, मगर उसके मालिक ने दो शर्तें रखी हैं।

बादशाह ने कहा - “क्या शर्तें हैं ?”

“पहली शर्त तो यह है कि घोड़ा लेने के लिए आपको स्वयं जाना चाहिए।”

“यह तो बड़ी आसान शर्त है। दूसरी शर्त क्या है ?”

“घोड़ा खास रंग का है, इसलिए उसे लाने का दिन भी खास ही होगा। उसका मालिक कहता है कि सप्ताह के सात दिनों के अलावा किसी भी दिन आकर उसे ले जाओ।”

अकबर इसका मतलब समझ नहीं पाये। वे बीरबल का मुँह देखते रह गये।

बीरबल ने हँसते हुए कहा - “जहाँपनाह ! हरे रंग का घोड़ा लाना हो, तो उसकी शर्तें भी माननी ही पड़ेगी।”

तब अकबर को मालूम हो गया कि उन्होंने बीरबल को उल्लू बनाना चाहा था, लेकिन अब वे खुद उसके जाल में फँस गये थे।

अकबर खिलखिलाकर हँस पड़े। बीरबल की चतुराई से वे खुश हुए। समझ गये कि बीरबल को मूर्ख बनाना सरल नहीं है।

शब्दार्थ :

बादशाह - सम्राट, चक्रवर्ती ; शाही - बादशाहों का, बाग - उद्यान, बगीचा ; शाही बाग - राजोद्यान, वृक्ष - पेड़, घास - तिनका, सैर - भ्रमण, घूमना-फिरना ; शकल - मुख, चेहरा ; अटपटा - टेढ़ा, असंगत ; जहाँपनाह - बादशाहों के लिए संबोधन, सटीक - बिल्कुल ठीक, मुश्किल - कठिन, खोज - तलाश, आसान - सरल , खास - विशेष, सप्ताह - हफ्ता (सात दिन), खिलखिलाना - ज़ोर से हँसना, मुँह की खाना - बुरी तरह हारना अनादृत होना, अपनी दुर्दशा कराना ; उल्लू बनाना - मूर्ख बनाना, जाल में फँसाना - वश में करना ।

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. अकबर कहाँ घूमने गये थे ?
2. अकबर क्यों खुश हुए ?
3. अकबर ने बीरबल को क्या लाने के लिए कहा ?
4. अकबर और बीरबल दोनों को क्या मालूम था ?
5. बीरबल कितने दिनों तक घूमते रहे ?
6. घोड़े के मालिक की कितनी शर्तें थीं ?
7. अकबर बीरबल को क्या बनाना चाहते थे ?

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. अकबर ने बीरबल से शाही बगीचे में घूमते समय क्या कहा ?
2. बीरबल ने अकबर से आठवें दिन क्या कहा ?

3. बीरबल के अनुसार घोड़े के मालिक की दो शर्तें क्या थीं?
4. अंत में अकबर क्या समझ पाये ?

III. नीचे दिये गये कथन किसके हैं ?

उदा: “मुझे हरे रंग का घोड़ा चाहिए।” - अकबर

1. “जहाँपनाह! मुझे हरे रंग का घोड़ा मिल गया है।”-_____
2. “जल्दी बताओ कहाँ है हरा घोड़ा”?- _____
3. “जहाँपनाह! हरे रंग का घोड़ा लाना हो तो उसकी शर्तें भी माननी पड़ेंगी।”- _____

IV. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए और प्रश्नों का उत्तर लिखिए :

“जहाँपनाह! मुझे हरे रंग का घोड़ा मिल गया है।”

“ जहाँपनाह! घोड़ा तो आपको मिल जाएगा। मैंने बड़ी मुश्किल से उसे खोजा है, मगर उसके मालिक ने दो शर्तें रखी हैं।”

“घोड़ा खास रंग का है, इसलिए उसे लाने का दिन भी खास ही होगा। उसका मालिक कहता है कि सप्ताह के सात दिनों के अलावा किसी दिन आकर उसे ले जाओ।”

“जहाँपनाह! हरे रंग का घोड़ा लाना हो, तो उसकी शर्तें भी माननी ही पड़ेंगी”

1. घोड़े का रंग कैसा था?
2. बीरबल ने घोड़े को कैसे खोजा था?
3. किसकी शर्तें माननी पड़ती ?

v. नीचे लिखे गये शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए :

1. साही _____
2. व्रक्ष _____
3. मझे _____
4. यदी _____
5. दरसल _____
6. सटिक _____
7. मुस्किल _____

VI. शब्द और अर्थ का मिलान कीजिए :

- | | |
|---------|--------|
| 1. बाग | पण |
| 2. घास | मुख्य |
| 3. शकल | तलाश |
| 4. खोज | सरल |
| 5. आसान | मुख |
| 6. खास | तृण |
| 7. शर्त | उद्यान |

VII. नमूने के अनुसार शब्द बनाइए :

1. टीक → सटीक
2. चेत → _____
3. जग → _____

4. तर्क → _____

5. चित्र → _____

VIII. विरुद्धार्थक शब्द लिखिए :

1. दिन × _____

2. बहुत × _____

3. हार × _____

4. बड़ा × _____

5. आगे × _____

IX. अन्य लिंग शब्द लिखिए :

1. बादशाह - _____

2. राजा - _____

3. पिता - _____

4. भाई - _____

X. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखिए:

अकबर घोड़े पर शाही बाग में घूमते हैं।

अकबर घोड़े पर शाही बाग में घूम रहे हैं।

1. अकबर को बहुत आनंद आता है।

2. अकबर बीरबल की परीक्षा करते हैं।

3. हरे रंग का घोड़ा मिलता है।

4. बीरबल खोजता है।

XI. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरा कीजिए :

(मुँह की खानी, शाही, हार, हरे, दोनों)

1. अकबर घोड़े पर _____ बाग में घूमने गये।
2. बीरबल मुझे _____ रंग का घोड़ा चाहिए।
3. अकबर और बीरबल _____ को मालूम था।
4. अकबर को _____ पड़ती थी।
5. बीरबल अपनी _____ स्वीकार कर लें।

XII. कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए :

1. हरी-हरी घास देखकर अकबर को बहुत संतोष हुआ।
2. अकबर को बीरबल की परीक्षा लेनी थी।
3. मुझे हरे रंग का घोड़ा मिल गया है।
4. उसके मालिक ने दो शर्ते रखी हैं।
5. अकबर इसका मतलब समझ नहीं पाये।

भाषा ज्ञान

‘कहावतें या लोकोक्तियाँ’

जीवन के कोई अनुभव-तथ्य को प्रकट करनेवाले स्वतंत्र वाक्यांश को कहावत या लोकोक्ति कहते हैं।

जैसे:	कहावत	अर्थ
1.	एक अनार सौ बीमार	- चीज़ कम, माँग अधिक
2.	जैसी करनी वैसी भरनी	- कार्य के हिसाब से फल मिलना
3.	एक और एक ग्यारह	- एकता में शक्ति होती है
4.	अधजल गगरी छलकत जाये	- ज्ञान कम होने पर भी दिखावा करना

1. इन मुहावरों का अर्थ समझिए :

- | | | | |
|----|----------------|---|-------------------|
| 1. | मुँह की खाना | - | बुरी तरह हारना |
| 2. | उल्लू बनाना | - | मूर्ख बनाना |
| 3. | जाल में फँसाना | - | वश में करना |
| 4. | अकल का दुश्मन | - | मूर्ख / बुद्धिहीन |

कुछ अन्य उदाहरण :

- | | | | |
|----|--------------|---|--------------|
| 5. | कमर कसना | - | तैयार होना |
| 6. | टाँग अड़ाना | - | रुकावट डालना |
| 7. | किस्मत खुलना | - | भाग्य चमकना |
| 8. | भांडा फोड़ना | - | पोल खोलना |

अध्यापन संकेत :

- तेनालीराम की चतुराई से संबंधित एक घटना सुनाएँ।
- बंदर-टोपीवाला-पेड़-टोपी-इन शब्दों को पढ़कर छात्रों के मन में कुछ बातें आयी होंगी। इन शब्दों की सहायता से एक छोटी-सी कहानी की रचना करवाएँ।



चुंबक है धरती हमारी

संकलित -

प्रस्तुत कविता में बताया गया है कि न्यूटन ने पेड़ से गिरते सेब को देखा और खोज-बीन करके पता लगाया कि धरती में चुंबकीय गुण होता है।



एक युवक था बुद्धिमान,
आइज़क न्यूटन उसका नाम।
एक दिन बैठा बगीचे में,
डूबा गहरी सोच में,
पेड़ से गिरा एक सेब लाल,
सेब उठाया, पेड़ को देखा
ऊपर देखा, नीचे देखा,
सेब को उसने फिर से फेंका
सेब आया फिर से नीचे,
देख-देख कर लगा सोचने,
आखिर यह गिरा क्यों नीचे?
सोच-सोच कर पता लगाया,
खोज-बीनकर यह समझाया,
चुंबक बनकर धरती हमारी,
खींचे वस्तुएँ अपनी ओर सारी,
बच्चो! यही है गुण धरती का,
याद रखो तुम नाम न्यूटन का।



शब्दार्थ :

गहरी-गंभीर, खोज-बीन करना-किसी चीज़ के बारे में पता लगाना, चुंबक-अपनी ओर खींचनेवाली धातु, गुण-विशेषता, हुनर; बुद्धिमान-समझदार, ढूँढ़-खोज।

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. युवक कैसा था ?
2. युवक का क्या नाम था ?
3. पेड़ से क्या गिरा ?
4. युवक कहाँ बैठा था ?

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. पेड़ से गिरे सेब को देखकर न्यूटन ने क्या सोचा ?
2. सेब ऊपर से नीचे क्यों गिरा ? न्यूटन ने खोज-बीन करके क्या समझाया ?

III. विलोम शब्द लिखिए :

- | | | | |
|---------|---|---------|---|
| 1. सगुण | × | 4. ऊपर | × |
| 2. धरती | × | 5. आखिर | × |
| 3. दिन | × | 6. पता | × |

IV. अन्य वचन रूप लिखिए :

- | | | |
|-----------|------------|------------|
| 1. पेड़ - | 2. वस्तु - | 3. बच्चा - |
|-----------|------------|------------|

V. नमूने के अनुसार अन्य लिंग शब्द लिखिए :

बेटा → बेटी

शेर → शेरनी

1. बच्चा → _____

1. मोर → _____

2. लड़का → _____

2. ऊँट → _____

3. चाचा → _____

3. विद्यार्थी → _____

VI. जोड़कर लिखिए :

अ

1. चुंबक बनकर

2. खींचे वस्तुएँ

3. बच्चो! यही है

4. याद रखो तुम

ब

नाम न्यूटन का

गुण धरती का

धरती हमारी

अपनी ओर सारी

VI. खाली जगह भरिए :

1. सेब आया _____ से नीचे।

2. आखिर यह _____ क्यों नीचे?

3. सोच - सोचकर _____ लगाया।

4. खोज-बीनकर यह _____ ।

VII. वाक्यों को सही क्रम से लिखिए :

1. एक था युवक बुद्धिमान।

2. सेब से गिरा पेड़ एक लाल।

3. फिर फेंका से को सेब उसने।

4. कर देख-देख लगा सोचने।

5. कर लगाया सोच-सोच पता।

अध्यापन संकेत :

- न्यूटन जैसे वैज्ञानिकों के बारे में जानकारी दें।

जीवन धात्री - वर्षा

संकलित -

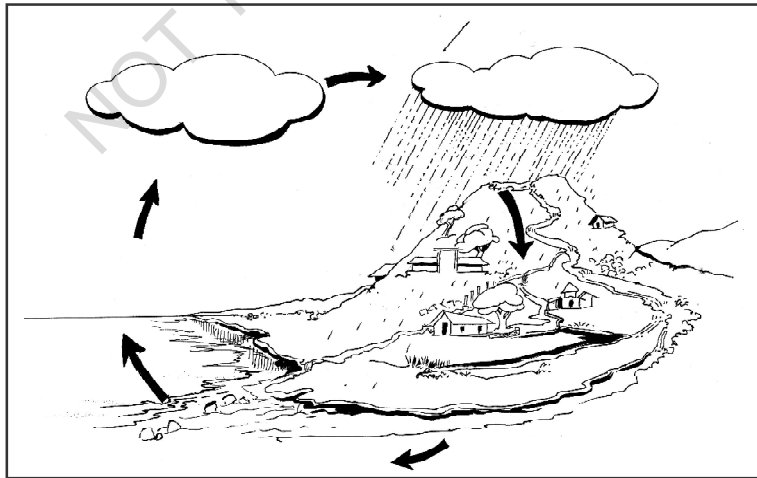


छात्र पानी के उपयोग और लाभ से परिचित होते हैं।

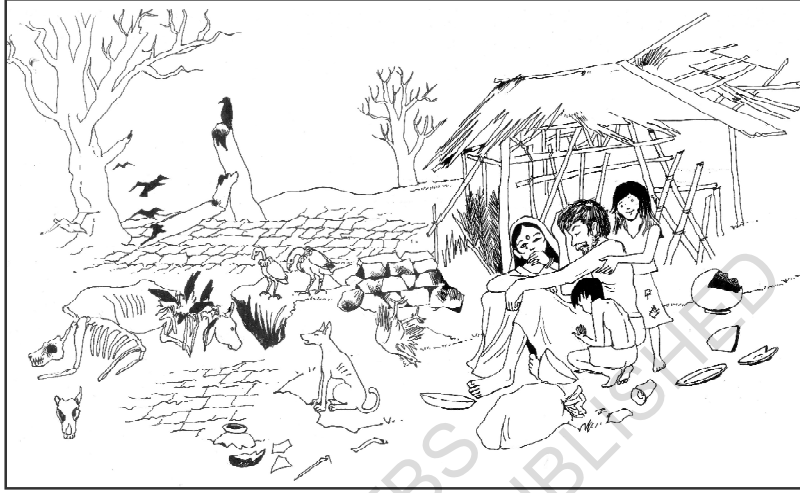
जीवन के लिए पानी अनिवार्य है। पानी के स्रोत अनेक हैं - नदी, नाला, सागर आदि। इन सबका कारण है वर्षा। समुद्र, झील, तालाब और नदियों का पानी सूरज की गर्मी से बाष्प बनकर ऊपर उठता है। इस बाष्प से बादल बनते हैं।

ये बादल जब ठंडी हवा से टकराते हैं तो इनमें रहनेवाले बाष्प के कण पानी की बूँदें बन जाते हैं। बूँदोंवाले बादल भारी होकर जब धरती की आकर्षण शक्ति से खींचे जाते हैं, तब वर्षा के रूप में बरस जाते हैं। इस प्रकार धरती से बादल और बादल से धरती तक बाष्प की यात्रा बहुत रोचक है।

एशिया में यूरोप की तरह बारह महीने वर्षा नहीं होती। मानसूनी हवाएँ वर्षा लाती हैं। सर्दी-गर्मी की ऋतुओं में वर्षा आमतौर पर कम होती है।



इसलिए लोग वर्षा ऋतु की प्रतीक्षा करते हैं। अगर वर्षा नहीं होती तो अकाल पड़ता है। खेत सूख जाते हैं और गाय, बैल आदि मरने लगते हैं।

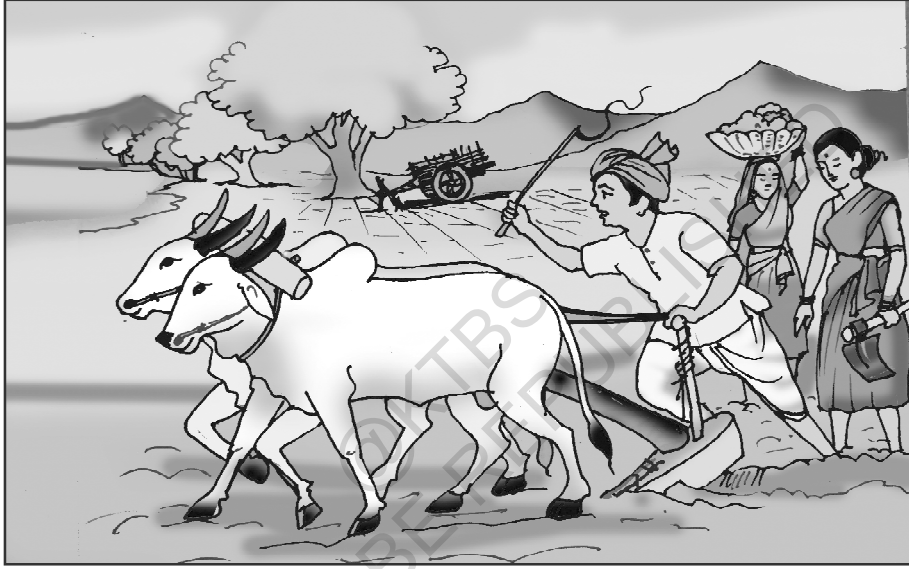


जब बहुत ज़्यादा वर्षा होती है तो नदियाँ अपने किनारों को तोड़कर बहने लगती हैं। इसको बाढ़ कहते हैं।



वर्षा का जल साफ और शुद्ध जल का सबसे अच्छा स्रोत है।

वर्षा किसानों के लिए वरदान है। वह सभी लोगों के लिए पीने के पानी का मूल साधन है। संसार के सभी जीव-जंतुओं के लिए पानी अत्यंत आवश्यक है। पानी के बिना कोई भी कार्य नहीं किया जा सकता, जैसे साफ-सफाई, नहाना-धोना, सिंचाई-बुवाई आदि। इस तरह वर्षा जन-जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है।



जहाँ वर्षा नहीं, वहाँ जीवन नहीं।

शब्दार्थ :

मूल - आधार, नाला - पानी बहने का पतला-सा मार्ग, छोटी नदी;
झील - प्राकृतिक जलाशय, तालाब - पानी का बड़ा कुंड, पोखरा;
कण - बहुत छोटा टुकड़ा, बाष्प - भाप, आमतौर पर - साधारणतया,
बरसना - आकाश से जल का गिरना, वर्षा - बरसात, बारिश;
प्रतीक्षा - इंतज़ार, अकाल - सूखा, किनारा - नदी या जलाशय का तट,
स्रोत - मूलाधार।

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. जीवन के लिए क्या अनिवार्य है ?
2. पानी के स्रोत कौन-कौन-से हैं ?
3. मानसून की हवाएँ क्या लाती हैं ?
4. वर्षा नहीं होती तो क्या होता है ?
5. शुद्ध जल का स्रोत क्या है ?

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. बादल कैसे बनते हैं ?
2. हवा में रहनेवाले बाष्प से पानी की बूँदें कैसे बनती हैं ?
3. अकाल से क्या-क्या हानियाँ होती हैं ?
4. वर्षा कब होती है ?
5. वर्षा नहीं होती तो क्या होता है ?
6. बाढ़ किसे कहते हैं ?

III. शब्द और अर्थ का मिलान कीजिए :

- | | |
|--------------|--------------|
| 1. पेय | इंतज़ार |
| 2. भारी | भाप |
| 3. प्रतीक्षा | वज़नदार |
| 4. बाष्प | पीने की चीज़ |

IV. नमूने के अनुसार शब्द बनाइए :

1. गति → दुर्गति
2. गंध → _____
3. गुण → _____
4. भाग्य → _____

V. नमूने के अनुसार विलोम शब्दों को जोड़िए :

सूखा	नीचे
ऊपर	गर्मी
अच्छी	गीला
सर्दी	बाहर
अंदर	बुरी

VI. नमूने के अनुसार एक साथ आनेवाले शब्दों को लिखिए :

नमूना : नदी - नाला

1. खाना - _____
2. पशु - _____
3. पेड़ - _____
4. रोना - _____

VII. नमूने के अनुसार प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए :

नमूना : खींचना → खिंचाना

1. सीखना → _____
2. पीटना → _____
3. सीना → _____
4. पीना → _____

VIII. नमूने के अनुसार अन्य वचन रूप लिखिए :

नमूना : पहाड़ - पहाड़

बच्चा - बच्चे

- | | |
|-----------|------------|
| 1. पेड़ - | 1. बेटा - |
| 2. शेर - | 2. बछड़ा - |
| 3. वचन - | 3. लड़का - |

IX. वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

1. ऊपर उठना : _____ .
2. बादल बनना : _____ .
3. टकराना : _____ .
4. खींचना : _____ .
5. रोचक : _____ .
6. प्रतीक्षा : _____ .

X. सूची बनाइए :

वर्षा पानी का मूल है। वर्षा अधिक होने पर भी हानियाँ होती हैं और वर्षा न होने पर भी हानियाँ होती हैं। इन हानियों की सूची बनाइए :

अधिक वर्षा से होनेवाली
हानियाँ

वर्षा न होने से होनेवाली
हानियाँ

XI. वर्गों में से पालतू जानवर और जंगली जानवरों के नाम
ढूँढ़कर नीचे लिखिए :

हा	थी	बि	ल्ली	घो	ड़ा
ब	क	री	भे	ड़ि	न्या
-	लो	भा	ड़	गा	बा
शे	म	लू	बै	य	घ
र	ड़ी	-	ल	कु	त्ता

पालतू जानवर - बिल्ली, _____

जंगली जानवर - शेर, _____

XII. उत्तर लिखिए :

1. अधिक वर्षा के कारण पानी नदियों के किनारों को तोड़कर बाहर बहने लगता है, तो उसे बाढ़ कहते हैं; पर वर्षा न होने पर खेत सूख जाते हैं, तो उसे क्या कहते हैं?
2. शुद्ध पानी पीने से आदमी स्वस्थ रहता है। गंदा पानी पीने से आदमी को कौन-सी बीमारियाँ होती हैं?
3. नदी के पानी का उपयोग किस-किस के लिए होता है?

भाषा ज्ञान

‘प्रेरणार्थक क्रिया’

रीना नौकरानी से कमरा साफ करवाती है।

अध्यापक छात्र से पाठ पढ़वाते हैं।

जिस क्रिया को कर्ता स्वयं न करके दूसरे को करने की प्रेरणा देता है, उसे ‘प्रेरणार्थक क्रिया’ कहते हैं।

प्रेरणार्थक क्रिया के दो रूप हैं।

प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया

जैसे : माँ परिवार के लिए भोजन बनाती है।

● रानी बेटे को खाना खिलाती है।

● अध्यापक कविता लिखाते हैं।

द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया

जैसे : माँ पुत्री से भोजन बनवाती है।

● रानी राधा से बेटे को खिलवाती है।

● अध्यापक छात्र से कविता लिखवाते हैं।

I. निम्न क्रिया शब्दों के प्रेरणार्थक रूप लिखिए :

उदा:	करना	कराना	करवाना
1. रोना	_____	_____	_____
2. चलना	_____	_____	_____
3. जगना	_____	_____	_____
4. देना	_____	_____	_____
5. पढ़ना	_____	_____	_____

II. निम्न वाक्यों में प्रथम प्रेरणार्थक रूप का प्रयोग कीजिए :

1. हमें राजू को शहर में _____ है। (घूम)
2. बच्चों को खेल _____ है। (सीख)
3. रेणु को आज रात जल्दी _____ है। (सोना)
4. त्योहार के लिए नया कपड़ा _____ है। (देना)
5. बूढ़ों को _____ है। (खाना)

III. निम्नलिखित द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियाओं से उचित वाक्य बनाइए :

- | | | |
|-----------|-------------|-----------|
| 1. बनवाना | 2. खिंचवाना | 3. करवाना |
| 4. लगवाना | 5. लिखवाना | |

अध्यापन संकेत :

- वर्षा के पानी के संरक्षण की जानकारी दें।
- कक्षा में पानी के विभिन्न उपयोगों की चर्चा करवाएँ।
- सागर से होनेवाले पाँच लाभ लिखवाएँ।



भारतीय त्योहार

संकलित -

इस पाठ के द्वारा बच्चे भारतीय संस्कृति और आचार-
विचार से परिचित होते हैं।



समस्त विश्व में भारत ही एक ऐसा देश है, जहाँ पर्व एवं त्योहारों का सिलसिला वर्ष भर चलता रहता है। भारतीय जनजीवन में इन धार्मिक उत्सवों और त्योहारों का महत्व है। मकर संक्रांति, बैसाखी, दशहरा, दिवाली, युगादि, ओणम, विशु, क्रिसमस, रमज़ान इत्यादि ऐसे ही त्योहार हैं। कुछ त्योहारों का परिचय इस पाठ में दिया जा रहा है -



मकर संक्रांति :

मकर संक्रांति प्रति वर्ष जनवरी महीने में पूरे भारत, विशेषतः दक्षिण भारत में मनाया जाता है। संक्रांति को फसल की कटाई का त्योहार भी कहा जाता है। इस त्योहार को घर-घर में सुख, संपत्ति के संकेत के रूप में मनाया जाता है। युगों से ऐसा माना जा रहा है कि इसी दिन से

उत्तरायण पुण्यकाल प्रारंभ होता है। इस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। यह विश्वास है कि उत्तरायण में देह त्याग करनेवाले व्यक्ति जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो जाते हैं। महाभारत के भीष्म पितामह कुरुक्षेत्र के युद्ध में घायल होने पर भी इसी दिन की प्रतीक्षा करते रहे और सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही उन्होंने अंतिम सांस ली।

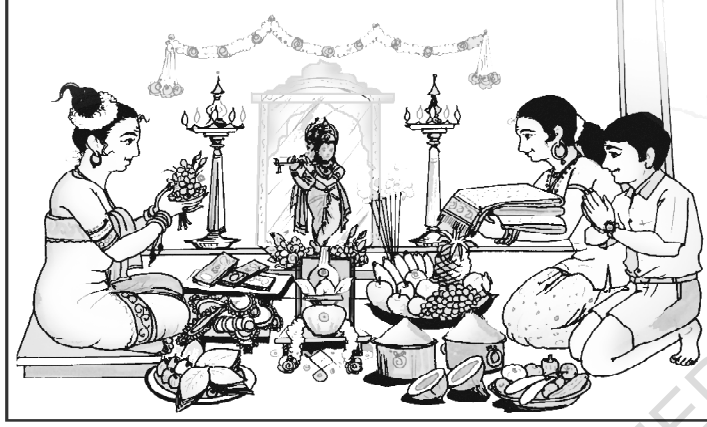
बैसाखी :



यह त्योहार पंजाब में मनाया जाता है। पंजाबी इसे नये साल का प्रारंभ मानते हैं। इसे नई फसल का त्योहार भी माना जाता है। इस अवसर पर खेत हरे-भरे दिखाई पड़ते हैं और रबी फसल कटाई के लिए तैयार रहती है। इस कारण गाँवों के किसान खुशी और उमंग से भर जाते हैं। इसीलिए इस पर्व को उत्सव के रूप में मनाते हैं। इस त्योहार के दिन सब मिलकर ओजपूर्ण भांगड़ा और गिद्धा नृत्य करते हैं।

इस दिन सभी लोग परंपरागत वस्त्र पहनते हैं। ताज़े गेहूँ के आटे की रोटी, देसी घी और गुड़ खाते हैं। उत्सवाग्नि जलाकर उसके चारों ओर नाचते हैं।

विशु :



केरल में नव वर्ष के आरंभ को 'विशु' त्योहार के रूप में मनाया जाता है। 'विशुकानो' अर्थात् शुभ दृश्य के अवलोकन की प्रथा इस नववर्ष के उत्सव का महत्वपूर्ण अंग होती है। अक्षत, नये वस्त्र, ताम्बूल -पत्र, सुपारी, दर्पण, फूल, सिक्का आदि समृद्धि के सूचक पदार्थों को कांसे के बर्तन में रखा जाता है, जिसे 'कनि' कहते हैं। परिवार की सबसे बड़ी सदस्या 'कनि' की व्यवस्था विशु की पूर्व रात ही करती हैं। केरल के लोगों का विश्वास है कि विशु के दिन जो सबसे पहले इसे देखता है, उसके लिए नव वर्ष मंगलकारी हो जाता है।

क्रिसमस :



पूरे विश्व में ईसाई समुदाय द्वारा क्रिसमस त्योहार बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है। हर साल 25 दिसंबर को इस त्योहार पर गिरजाघर जाकर ईसाई सामूहिक प्रार्थना में भाग लेते हैं। इस अवसर पर गाये जानेवाले गीतों को 'क्रिसमस कैरॅल्स' कहते हैं। बर्फीली सर्दियों में भी हरे-भरे रहनेवाले क्रिसमस पेड़ को इस अवसर पर सजाया जाता है। एक बार महारानी विक्टोरिया के पति राजकुमार एलबर्ट ने अपने महल विंडसर काॅसल में कैंडीज़, फल और छोटे तोहफों से एक बहुत बड़े क्रिसमस ट्री को सजाया था। तब से यह परंपरा चल पड़ी।

रमज़ान :



रमज़ान मुसलमानों का पवित्र त्योहार है। रमज़ान के महीने में मुसलमान तीस दिन का 'रोज़ा' रखते हैं। 'रोज़ा' का मतलब है उपवास का व्रत। मुसलमान मानते हैं कि सूर्योदय के पहले और सूर्यास्त के बाद ही खाना खाया जा सकता है और इस बीच खाने - पीने की क्रिया को बंद रखना चाहिए। इस तरह 30 दिनों तक उपवास करने के बाद रमज़ान त्योहार को बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है। सभी मुसलमान बंधु मसजिद जाते हैं, नमाज़ पढ़ते हैं और मिठाई बाँटकर परस्पर गले

मिलते हैं। यह त्योहार भाईचारे की भावना और आपसी बंधुत्व का प्रतीक है।

भारत में मनाये जानेवाले ये सभी त्योहार हर्ष और उल्लास, सुख और आनंद के पर्व हैं। इनको हम अपने देश की सांस्कृतिक धरोहर कह सकते हैं।

शब्दार्थ :

विश्व - संसार, जगत् ; त्योहार - पर्व, सिलसिला - क्रम, प्रतीक्षा - इंतज़ार, उमंग - उल्लास, परंपरा - पुराने समय से चला आता हुआ क्रम, गुड़ - पकाकर जमाया हुआ ईख का रस, कांसा - एक मिश्र धातु, तोहफा - उपहार, धरोहर - संपत्ति, अमानत; अवलोकन - देखना, रबी फसल- वसन्त ऋतु में काटी जानेवाली फसल।

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. महाभारत में भीष्म पितामह किस दिन की प्रतीक्षा कर रहे थे ?
2. बैसाखी त्योहार कहाँ मनाया जाता है ?
3. केरल में किस त्योहार को नव वर्ष का सूचक माना जाता है ?
4. कैरॅल्स किसे कहते हैं ?
5. कैण्डीज़, फल और छोटे तोहफों से किसको सजाया जाता है ?
6. रमज़ान के दिन मुसलमान बंधु कहाँ जाते हैं ?
7. रमज़ान त्योहार किसका प्रतीक है ?

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. मकर संक्रांति त्योहार कब और कैसे मनाया जाता है ?
2. पंजाबी लोग बैसाखी त्योहार कैसे मनाते हैं ?
3. 'कनि' किसे कहते हैं ?
4. क्रिसमस पेड़ को सजाने की परंपरा कैसे आई ?
5. रोज़ा कैसे रखा जाता है ?

III. नमूने के अनुसार विरुद्ध अर्थवाले शब्द लिखिए :

जीवन	x	मरण
1. दिन	x	
2. सुख	x	
3. नया	x	
4. पवित्र	x	
5. विश्वास	x	
6. सूर्योदय	x	

IV. उदाहरण के अनुसार वाक्य रचना कीजिए :

मैं पाठ	पढ़ रहा हूँ।
1. शीला नाटक	_____
2. रहीम गाना	_____
3. अध्यापक हिंदी	_____
4. बछड़ा घास	_____
5. पाठशाला का घंटा	_____

V. उदाहरण के अनुसार अन्य लिंग रूप लिखिए :

शिक्षक - शिक्षिका

1. अध्यापक -
2. नायक -
3. सेवक -
4. संपादक -
5. बालक -
6. लेखक -

VI. 'इया' जुड़ने से पुल्लिंग शब्द स्त्रीलिंग शब्द के रूप में बदलते हैं।
उदाहरण के अनुसार लिखिए :

कुत्ता - कुतिया

1. बुढ़ड़ा -
2. गुड़ड़ा -
3. डिब्बा -

VII. उदाहरण के अनुसार वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए:

उदा: जिसका होना या करना कठिन हो - दुस्साध्य

1. जिसका आदि न हो -
2. जिसका वर्णन नहीं होता हो -
3. जिसमें संदेह नहीं हो -
4. जो कभी तृप्त नहीं होता हो -

VIII. आपके स्कूल में जो त्योहार मनाए जाते हैं और वह इस तालिका में हो तो उसके सामने (✓) या (X) का निशान लगाइए:

क्र.सं	त्योहार	✓ या X
1.	होली	
2.	क्रिसमस	
3.	राखी	
4.	गणेशोत्सव	

IX. अक्षर जाल :

(जगत्, इंतज़ार, मानव, रवि)

ऊपर लिखे शब्दों के लिए पाठ में कुछ समानार्थक शब्दों का प्रयोग किया गया है। उन शब्दों को अक्षरजाल में ढूँढ़कर लिखिए :

ती			क्षा	
	वि	प्र		ष्य
	नु		सू	
श्व		र्य		म

- जगत् - _____
- इंतज़ार - _____
- मानव - _____
- रवि - _____

X. नीचे लिखे शब्दों का अन्य वचन रूप लिखिए :

1. एक -
2. स्त्री -
3. रोटी -
4. व्यवस्था -
5. रात -

XI. नीचे लिखे शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए :

- | | | | |
|------------|-------|------------|-------|
| 1. उत्तरयण | _____ | 4. त्यौहार | _____ |
| 2. फासल | _____ | 5. महाभारत | _____ |
| 3. परिवर | _____ | 6. उस्तव | _____ |

XII. सही शब्द ढूँढ़कर लिखिए :

1. मकर संक्रांति प्रति वर्ष _____ महीने में मनाया जाता है।
(जून, जनवरी, सितंबर)
2. बैसाखी त्योहार _____ राज्य में मनाया जाता है।
(पंजाब, कर्नाटक, मध्यप्रदेश)
3. रमज़ान _____ का पवित्र त्योहार है।
(हिन्दुओं, ईसाइयों, मुसलमानों)

XIII. कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए :

1. पंजाबी बैसाखी को नये साल का प्रारंभ मानते हैं।
2. कनि की व्यवस्था विशु की पूर्व रात ही की जाती है।
3. ये सभी त्योहार हर्ष और उत्साह, सुख और आनंद के पर्व हैं।

पूरक वाचन

गद्यांश पढ़कर उत्तर लिखिए :

सावन की पूर्णिमा के शुभ अवसर पर सुंदर त्योहार 'रक्षा-बंधन' का आगमन होता है। भारत में इस पवित्र त्योहार का विशेष महत्व है। यह वर्षा ऋतु का सूचक बनकर आता है। 'रक्षा-बंधन' अर्थात् रक्षा का बंधन। इन दो शब्दों में केवल भाई-बहन के पवित्र स्नेह का ही बन्धन नहीं बल्कि दो आत्माओं, दो हृदयों और दो प्राणों की एक दूसरे के प्रति घनिष्ठता की भावना है। 'रक्षा बंधन' देश के कोने-कोने में मनाया जाता है। सारी बहनें इस त्योहार की साल भर प्रतीक्षा करती रहती हैं। वे अपने हाथों से भाइयों को राखी बाँधकर मिठाई खिलाती हैं। इसी आनन्द और हँसी-खुशी के साथ यह त्योहार संपन्न होता है।

1. 'रक्षा-बंधन' त्योहार को किस अवसर पर मनाया जाता है?
2. 'रक्षा-बंधन' त्योहार के लिए साल भर कौन प्रतीक्षा करती रहती हैं?
3. 'रक्षा-बंधन' त्योहार कैसे संपन्न होता है?

अध्यापन संकेत :

- छात्रों से घर में मनाये जानेवाले त्योहारों का वर्णन करवाएँ।
- विद्यालय में मनाये गये किसी राष्ट्रीय त्योहार के बारे में पाँच वाक्य लिखवाएँ।





आहार के विषय में मनमानी करना उचित नहीं है, जो बीमारियों को निमंत्रण देता है। इस पाठ द्वारा छात्र यह जानकारी प्राप्त करते हैं कि स्वस्थ एवं सुदृढ़ रहने के लिए संतुलित आहार अत्यंत आवश्यक है।

- माँ : रोहन बेटा, आ, कुछ खा लो।
- रोहन : नहीं माँ, मुझे भूख नहीं है।
- माँ : भूख क्यों नहीं, सबेरे से कुछ नहीं खाया है।
- रोहन : सबेरे मैंने चाय पी ली थी।
- माँ : चाय से कहीं पेट भरता है?
- रोहन : बिस्कुट भी खायी थी। जलेबी भी खायी थी।
- माँ : यह तो मिठाई हुई।
- सुगन्धी : समोसा भी नहीं खाना है?
- माँ : मिठाई और नमकीन खा सकते हो क्योंकि शरीर के लिए शक्कर और नमक भी आवश्यक हैं। लेकिन अधिक मात्रा में नहीं।
- रोहन : तो क्या-क्या खाना चाहिए?
- माँ : दाल-रोटी, दूध, दही, अंडा, साग-सब्जी, सब खाना चाहिए।

सुगन्धी : इससे क्या होता है?

माँ : सब्जी और फलों में विटामिन के अंश होते हैं। उनका सेवन करने से बीमारियों से बच सकते हैं।



प्रीतम : हाँ चाची, कहते हैं रोज़ एक सेब खाओ और डॉक्टर से दूर रहो।

सुगन्धी : मुझे दूध नहीं, आइस क्रीम अच्छी लगती है।

माँ : नहीं बेटी, आइस क्रीम ज़्यादा खाने से गला खराब होता है। खाँसी हो सकती है।

रोहन : दूध और दही क्यों?

माँ : दूध और दही में कैल्शियम के अंश हैं। शरीर की हड्डियों को ताकत मिलती है। बिरियानी और मांस से भी पोषकांश मिलते हैं।

प्रीतम : प्रोटीन किसमें होता है?

माँ : गेहूँ, चावल, मक्का, सोयाबीन, चना, मूँग, अरहर आदि अनाज-धान में प्रोटीन के अंश हैं।

रोहन : और फैट्स?

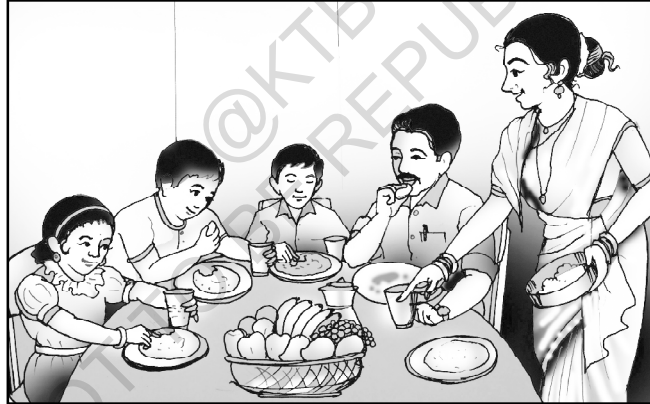
माँ : सरसों, मूँगफली, वनस्पति तेल, मक्खन, घी में चर्बी या फैट का अंश है जिससे पाचन क्रिया सुधरती है। इंजन के लिए जैसे पेट्रोल है, उसी तरह मानव शरीर के लिए फैट्स और कॉर्बोहाइड्रेट्स हैं।

सुगन्धी : पानी भी पीना चाहिए न माँ?

माँ : हाँ, पानी तो अति आवश्यक है। लेकिन एक साथ नहीं, एक दो घंटे के अन्तराल में थोड़ा-थोड़ा पानी पीना चाहिए।

रोहन : संतुलित भोजन से क्या मतलब है?

माँ : शरीर को स्वस्थ और सुदृढ़ रखने के लिए सही मात्रा में प्रोटीन, विटामिन, खनिज, कॉर्बोहाइड्रेट्स और फैट्स युक्त आहार का सेवन करना ही संतुलित भोजन कहलाता है।



सुगन्धी : चलो रोहन और प्रीतम, मेरे पेट में तो चूहे दौड़ने लगे हैं। सारा खाना खाली कर देंगे।

माँ : सारा नहीं, थोड़ा-थोड़ा सब पदार्थ खा लो।

सुगन्धी, रोहन : माँ, जल्दी परोसिए।

माँ : चलिए, आपके पिताजी भी आ गए, सब मिलकर आराम से खाएँगे।

शब्दार्थ :

मिठाई - शक्कर या गुड़ से बना मीठा पदार्थ, साग-सब्जी - तरकारी, खराब - बुरा, ऐब; नमकीन - नमक के स्वादवाला, हड्डियाँ - अस्थियाँ, ಎಲುಬು, ಮೂಳೆ; पोषकांश - nutrient, ಪೌಷ್ಟಿಕಾಂಶ; गेहूँ - wheat, ಗೋಧಿ; चावल - Rice, ಅಕ್ಕಿ; ज्वार - white millet, ಜೋಳ; मक्का - maize, ಮೆಕ್ಕೆ ಜೋಳ; चना - कड़ली, मूँग - green lentil, ಹೆಸರುಕಾಳು; अरहर - ಒಂದು ಪ್ರಕಾರದ ಬೇಳೆ, फैट्स - fats, ಜಿಡ್ಡು; सरसों - mustard, ಸಾಸಿವೆ; मूँगफली - ground nut, ಕಡಲೆಕಾಯಿ ಬೀಜ; कार्बोहाइड्रेट्स - carbohydrates, अंतराल - बीच, मध्य; संतुलित - balanced, ಸಮತೋಲಿತ, ಸಂತುಲಿತ; विटामिन - Vitamin, ವಿಟಮಿನ್; खनिज - minerals, ಲವಣಗಳು.

मुहावरा: पेट में चूहे दौड़ना - अधिक भूख लगना, To be very hungry, ಹೊಟ್ಟೆ ತಾಳ ಹಾಕುವುದು.

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. रोहन ने सबेरे क्या-क्या खाया था?
2. बीमारियों से बचने के लिए क्या खाना चाहिए?
3. किसको आईस क्रीम अच्छी लगती है?
4. अधिक आईस क्रीम खाने से क्या होता है?
5. दूध और दही का सेवन क्यों करना चाहिए?

II. दो- तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. प्रोटीन के अंश किन चीजों से प्राप्त कर सकते हैं?
2. संतुलित आहार का मतलब क्या है?

III. कोष्ठक में दिये गये शब्दों में से चुनकर वाक्य पूरा कीजिए :

(प्रोटीन, आम, पानी, सेब, विटामिन-डी, पाचन-क्रिया)

1. _____ को फलों का राजा कहा जाता है।
2. _____ शरीर के लिए अत्यावश्यक है।
3. वनस्पति तेल का सेवन करने से _____ सुधरती है।
4. सूरज से _____ प्राप्त होता है।
5. अंडा खाने से शरीर के लिए आवश्यक _____ मिलता है।
6. प्रतिदिन एक _____ खाओ, डॉक्टर से दूर रहो।

IV. सही और गलत चिह्न लगाइए :

1. मिठाईयों से शरीर की शक्ति बढ़ती है।
2. दूध और दही में पोषक तत्व है।
3. संतुलित आहार का अर्थ अधिकाधिक खाना है।
4. फल और सब्जियाँ विटामिन के अच्छे स्रोत हैं।
5. अनाज-धान से मांसपेशियाँ मज़बूत नहीं होती हैं।

V. दस अनाजों के नाम लिखिए :

- | | |
|----------|----------|
| 1. _____ | 2. _____ |
| 3. _____ | 4. _____ |
| 5. _____ | 6. _____ |

7. _____

8. _____

9. _____

10. _____

VI. वर्गेतर शब्दों पर गोला लगाइए :

उदा : रसगुल्ला, मैसूरपाक, (सेब), गुलाब जामून, लड्डू।

1. चावल, आलू, गेहूँ, मक्का, बाजरा।
2. जीरा, दालचीनी, पालाक, लौंग, इलायची।
3. मूली, टमाटर, गोभी, गाजर, कुर्ता।
4. लहसून, अदरक, हींग, तेल, सोंठ।
5. रोटी, चाय, पानी, छाँछ, शरबत।

VII. सोचिए और लिखिए :

1. 'अ' अक्षर से शुरू होनेवाले पाँच फल :
i) _____ ii) _____ iii) _____ iv) _____ v) _____
2. दूध से बननेवाले पाँच खाद्य पदार्थ :
i) _____ ii) _____ iii) _____ iv) _____ v) _____
3. ज़मीन के नीचे उगनेवाली पाँच सब्जियाँ :
i) _____ ii) _____ iii) _____ iv) _____ v) _____
4. शरीर के कार्य संचालन के लिए आवश्यक पाँच पोषक तत्व :
i) _____ ii) _____ iii) _____ iv) _____ v) _____
5. बड़े-बड़े पेड़ पर उगनेवाले पाँच फल :
i) _____ ii) _____ iii) _____ iv) _____ v) _____

VIII. वर्ग पहेली में दिये गये अक्षरों से आहार संबंधी 10 - 15 शब्दों की सूची बनाइए :

अ	न्ना	न	स	बा	ज	रा	अ
ना	रि	य	ल	खी	र	ई	ख
र	अ	र	ह	र	दा	ल	रो
से	ट	ब	सु	✕	चा	ची	ट
ब	आ	म	न	के	य	नी	मा
लू	टा	क	रे	ला	मू	लौं	ट
चा	व	ल	इ	म	ली	ग	र

IX. खान-पान से संबंधित मुहावरे :

1. पाँचों उँगलियाँ घी में
2. राई का परबत बनाना
3. घर की मुर्गी दाल बराबर
4. आम का आम गुठली का दाम
5. गेहूँ के साथ धुन भी पिस जाता है

X. अन्य वचन रूप लिखिए :

1. व्यवस्था - _____
2. सेवा - _____
3. पक्षी - _____

4. गाली - _____
5. बच्चा - _____
6. घर - _____

XI. अन्य लिंग रूप लिखिए :

1. पति - _____
2. पिता - _____
3. माँ - _____
4. महिला - _____
5. आदमी - _____

XII. प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए :

1. करना - _____
2. चलना - _____
3. बनना - _____
4. उठना - _____

अध्यापन संकेत :

- विज्ञान की किताबों द्वारा छात्रों को जानकारी प्राप्त करने के लिए कहें कि किन-किन विटामिनों की कमी से कौन-कौन-सी बीमारियाँ लगती हैं। चार्ट बनवाकर कक्षा में टँगवाएँ।

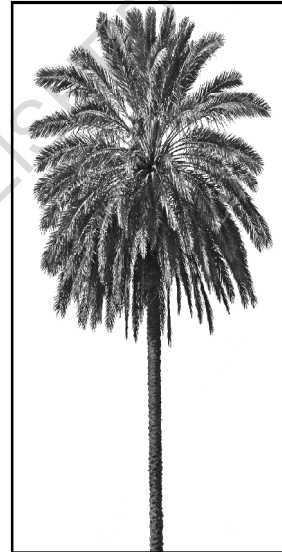


कबीर के दोहे

अच्छे गुण, स्वभाव से मनुष्य को मान - सम्मान की प्राप्ति होती है। बुराई से परस्पर स्नेह भाव बढ़ नहीं सकता। मन, वचन और कर्म से पवित्र रहो - यही भगवान की भक्ति का सच्चा रूप है।

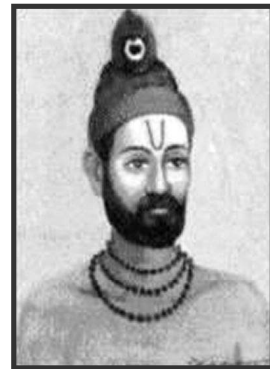


1. ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करै, आपहुँ सीतल होय ॥
2. साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप।
जाके हिरदै साँच है, ताके हिरदै आप ॥
3. बड़ा भया तो क्या भया, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर ॥
4. दुख में सुमिरन सब करै, सुख में करै न कोय।
जो सुख में सुमिरन करै, तो दुख काहे होय ॥



कवि परिचय : कबीरदास (सन् 1398 - 1518)

कबीरदास “वाणी के डिक्टेटर” थे। नीरु - नीमा नामक मुसलमान जुलाहे परिवार में उनका पालन - पोषण हुआ। सहजता, निर्भीकता इनके काव्य के प्रमुख गुण हैं। इनकी वाणी में समाज सुधार की भावना कूट-कूट कर भरी है। वे बड़े दार्शनिक कवि



थे। कबीर का काव्य बुद्धि और हृदय का संगम है। इतना ही नहीं, वे बड़े संत कवि थे। उन्हें जीवन-नीति के धर्म गुरु भी कहा जाता है।

कबीर की रचनाएँ 'बीजक' नाम से संकलित हैं, जिनके तीन भाग हैं - साखी, सबद, रमैनी।

1. शब्दार्थ :

बानी - वाणी, वचन ; आपा - अहंकार, गर्व, घमंड; खोय - गँवाना, छोड़ देना, नष्ट करना; औरन - दूसरे लोगों को, औरों को; शीतल - ठंडा।

भावार्थ :

कबीर कहते हैं कि आप ऐसे वचन बोलिए जिससे आपका अहंकार मिट जाए। आपकी बोल से दूसरों को शीतलता मिले और अपना मन भी शीतल हो जाए।

कहने का तात्पर्य है कि हमारी वाणी मधुर और मीठी होनी चाहिए। उसे सुनकर दूसरों के मन की कड़ुवाहट दूर हो और वे भी हमारे साथ मीठा व्यवहार करने के लिए प्रेरित हों।

2. शब्दार्थ :

साँच-सच, सत्य; बराबर - समान, तप - तपस्या, साधना; जाके - जिसके, ताके - उसके, हिरदै - हृदय, दिल; आप - भगवान, परमात्मा।

भावार्थ :

जो सत्यवादी है अर्थात् जो सच बोलता है, जिसका व्यवहार भी सही होता है, उसका चरित्र भी नेक होता है। भगवान भी ऐसे ही लोगों को अपनाते हैं।

कबीर इस सच्चाई के बारे में कहते हैं -

सत्य बोलने के समान दूसरी कोई तपस्या नहीं, साधना नहीं। इसके विरोध में झूठ बोलने या झूठे व्यवहार से बढ़कर कोई पाप या बुरा कर्म नहीं है। जिसके दिल में सच्चाई होती है, जो हमेशा सच बोलता है, सही मार्ग पर चलता है, भगवान भी उसीके हृदय में निवास करते हैं।

कहने का तात्पर्य है - भगवान को भी सत्यवादी ही प्रिय होते हैं।

3. शब्दार्थ :

बड़ा - लंबा और चौड़ा, अधिक ऊँचा; भया - होना, बनना;
खजूर का पेड़ - ताड़ जैसा एक लंबा पेड़ लड्डू लड्डू, पंथी - पथिक, राही

भावार्थ :

इन्सान धन-दौलत या पद-अधिकार से चाहे जितना भी बड़ा बने, बड़प्पन का सही निशान तो उसका परोपकार ही होता है। इस भाव को कबीरदास ऐसे प्रस्तुत करते हैं -

खजूर का पेड़ लंबा और ऊँचा होता है, इसलिए उससे राहगीरों को छाया नहीं मिलती। उसमें उगनेवाले फल भी बहुत ऊपर होते हैं। ऐसे ही इन्सान भी बड़ा कहलाने से बड़ा नहीं होता। दूसरों के लिए उपयोगी होने पर ही वह महान् बन सकता है।

तात्पर्य यह है कि मानव को परोपकारी होना चाहिए।

4. शब्दार्थ :

सुमिरन - स्मरण करना, याद करना; काहे - क्यों, किसलिए, किस कारण से; कोय - कोई, होय - होता है।

भावार्थ :

जो सुख प्राप्त करता है वह एक दिन दुख भी भोगता है। उसी तरह जिसे आज दुख का अनुभव करना पड़ा है उसे भविष्य में सुख ज़रूर मिलेगा। लेकिन हमें दोनों समय भगवान का स्मरण करना चाहिए। इसी विचार को कबीर ऐसे कहते हैं -

सब लोग दुख और विपत्ती के समय में भगवान का स्मरण करते हैं। लेकिन सुख प्राप्त होने पर भगवान की याद नहीं करते। कबीर कहते हैं कि अगर सुख के समय में भी भगवान की याद करते तो दुख की स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

कहने का तात्पर्य है कि सुख और दुख दोनों भगवान की ही देन है, इन दोनों को हम समान मनोभाव से स्वीकार करें, तो हमारा जीवन सुगम होता है।

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. कैसी वाणी बोलनी चाहिए ?
2. कबीर सच्चाई और झूठ को किसके समान मानते हैं ?
3. किसके हृदय में ईश्वर रहता है ?
4. खजूर के पेड़ से किसे छाया नहीं मिलती ?

II. तीन - चार वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. खजूर के पेड़ से हमें क्या सीख मिलती है ?
2. मन से बुरे विचार कैसे मिट जाते हैं ?
3. हमें किस तरह की बातें करनी चाहिए ?
4. भगवान का स्मरण मनुष्य कब और क्यों करता है ?
5. सच और झूठ में क्या अंतर है ?

III. विलोमार्थक शब्द लिखिए :

सत्य x असत्य

- | | | | |
|----------|---|---------|---|
| 1. धर्म | x | 4. हित | x |
| 2. न्याय | x | 5. शांत | x |
| 3. चेत | x | 6. सफल | x |

IV. उदाहरण के अनुसार समानार्थक शब्द लिखिए :

उदा : अपेक्षा - इच्छा

1. अग्नि -
2. उत्तर -
3. कनक -
4. खग -
5. गुरु -
6. तारा -

V. उदाहरण के अनुसार शब्दों के अन्य रूप लिखिए :

नमूना : बानी - वाणी

1. साँच -
2. हिरदै -
3. सीतल -
4. जुग -
5. पंथी -

VI. पद्यभाग पूर्ण कीजिए :

ऐसी बानी _____ ।

_____ आपहुँ सीतल होय ॥

साँच बराबर _____ ।

_____ ताके हिरदै आप ॥

VII. नीचे लिखे शब्दों को उलटकर लिखिए - देखिए इनसे कौन-से शब्द बनते हैं?

उदा : नाच - चना

- 1) याद - _____
- 2) रमा - _____
- 3) नव - _____
- 4) लता - _____
- 5) हरा - _____
- 6) नदी - _____

VIII. नीचे लिखे शब्दों को उचित वर्गों के अंतर्गत लिखिए :

पीपल, वसंत, रविवार, शनिवार, ग्रीष्म, होली,
नीम, दशहरा, अक्तूबर, खजूर, हेमंत, ताड़,
सितंबर, मंगलवार, ईद, क्रिसमस, वर्षा, मई,
बुधवार, फरवरी

दिन	महीना	ऋतु	पेड़	त्योहार
_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____	_____

IX. वाक्य शुद्ध कीजिए :

1. मोहसीन का माँ बीमार है।
2. हमारी भाषा के नाम हिंदी है।
3. दिल्ली भारत की राजधानियाँ है।
4. कृष्णा, गोदावरी, कावेरी दक्षिण भारत की नदी हैं।
5. सच का विलोम शब्द झूठा है।
6. शीतलता का अर्थ ठंडा है।
7. अध्यापिका पाठ पढ़ाता है।

X. शब्दों को शुद्ध कीजिए :

1. समुन्द्र
2. कक्क्षा
3. पंक्षी
4. सध्या
5. कम्प्र
6. मिठी

XI. निम्नलिखित शब्द एक जैसे लगते हैं, परंतु इनके अर्थ समान नहीं हैं। अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1. बाघ - भाग
2. अनल - अनिल

3. परिणाम - परिमाण
4. माता - माथा
5. बाल - भाल
6. ओर - और

XII. कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए:

1. कबीरदास एक भक्त कवि हैं।
2. कोमल वचन से मन को शीतलता मिलती है।
3. झूठ के समान कोई पाप नहीं है।
4. पेड़ों से पथिकों को छाया मिलती है।
5. मन की शुद्धि ही भगवान की पूजा है।

XIII. दोहे कंठस्थ कीजिए ।

पूरक वाचन

सीखें हम दो अच्छी बातें -

1. सबसे कड़वी बात, लड़ाई।
सबसे मीठी सुलह - सफाई।

2) कुहू-कुहू कोयल,
झूठ न बोल ।
सच कहने में
लगे न मोल ।

3) तू-तू, मैं-मैं
गरम लड़ाई,
तू चुप, मैं चुप
खतम लड़ाई ।

1. लड़ाई किस बात से होती है?
2. किस प्रकार की बात पर मोल नहीं लगता?
3. चुप रहने का लाभ क्या है?

अध्यापन संकेत :

- हिंदी के महान कवि हैं तुलसीदास । उन्होंने रामायण लिखा है, जिसका नाम है 'रामचरितमानस' । उसमें भक्ति और विनम्रता की भावना से संबंधित विचार प्राप्त होते हैं । छात्रों को थोड़ी और जानकारी दें ।

